जवाहरात तथा हीरों की प्रदर्शनी

4672. श्री निहाल सिंह : : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जवाहरात संग्रहालय सम्बन्धी परियोजना को जिसकी पुनरीक्षा की जा रही है, थी, इस बीच विचार पूरा कर लिया गया है ;

(ख) लोगों को अपने पास रखे हुए कलात्मक तथा ऐतिहासिक किस्म के जवाहरात को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करने सम्बन्धी प्रस्ताव पर क्या निर्णय लिए गए हैं ; और

(ग) गत दो वर्षों के दौरान जवाहरात तथा हीरों की कितनी प्रदर्शनियां आयोजित की गई और उसमें ऐसे जवाहरात के मालिकों की कितनी संख्या थी तथा उन्हें किस प्रकार के प्रोत्साहन दिए गए ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सवाई सिंह सिसोदिया) : (क) यद्यपि हीरे तथा जवाहरात संग्रहालय की स्थापना करने सम्बन्धी निर्णय 1977 में लिया गया था, तथापि संग्रहालय की वस्तुत: स्थापना अभी की जानी है । वर्तमान सरकार को अभी उस सावधि योजना के सम्बन्ध में विचार करना है जिसके अन्दर परियोजना को क्रियान्वित किया जाना है ।

(ख) लोगों को अपने पास रखे हुए कलात्मक और ऐतिहासिक स्वरूप के जवाहरात को प्रदर्शित करने के लिए अभी तक प्रोत्साहन नहीं दिया गया है ।

(ग) चूंकि हीरे तथा जवाहिरात संग्रहालय की स्थापना अभी की जानी है, इसं लिए यह प्रश्न नहीं उठता ।

भारत और जाम्बिया के बीच हवाई उड़ानें

4673. श्री निहाल सिंह : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत और जाम्बिया के बीच किए गए करार को कब से लागू किया गया है ; और

(ख) इन दोनों देशों के बीच अब तक भरी गई उड़ानों की संख्या क्या है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री अनन्त प्रसाद शर्मा) : (क) 7 मई, 1980 को भारत तथा जांबिया के बीच एक विमान सेवा करार किया गया । उसी दिन एक समझोता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए । तै हुई व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक नामित एयरलाइन को लुसाका तथा बम्बई के बीच एक साप्ताहिक सेवा परिचालित करने का अधिकार होगा । एयर इंडिया ने 2 जून, 1980 से अपनी उड़ानें प्रारम्भ करदीं तथा जांबियन एयरवेज ने 14 मई, 1980 से ।

(ख) नवम्बर, 1980 तक एयर इंडिया ने जाम्बिया को तथा वापस 26 उड़ानें परिचालित कीं, तथा जाम्बिया एयरवेज ने बम्बई के लिए तथा वांपस 29 उड़ानें परिचालित कीं ।

उज्जैन में राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखायें

4674. श्री निहाल सिंह : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन राष्ट्रीयकृत बैंकों के नाम क्या हैं जिनकी अपनी शाखायें उज्जैन (मध्य प्रदेश) में हैं और बैंक की प्रत्येक शाखा द्वारा लघु तथा बडे उद्योगों को कितनी राशि का ऋण दिया गया है और